संपादकीय

वैक्सीन ही भरोसा

ऐसे समय में जब देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर कहर बरपा रही है और उपचार के तमाम संसाधन सिकुड़ गये हों, वैक्सीन ही एकमात्र ब्रह्मास्त्र साबित हो सकती है। ऐसे हालात में हम एक बड़ी आबादी को टीका लगाकर ही इस महामारी पर किसी तरह से अंकुश लगा सकते हैं। हालांकि देश में दुनिया के सबसे तेज टीकाकरण का दावा किया जा रहा है, लेकिन टीकाकरण सवा अरब की जनसंख्या के मुकाबले काफी कम है। विकसित देश अपनी बड़ी आबादी को टीका लगाकर कोरोना संक्रमण को पछाड़ने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। वहां संक्रमण के नये मामलों में बड़ी गिरावट देखी गई है। ऐसे में भले ही भारत टीका लगाने वालों की संख्या में तेरह करोड़ के करीब पहुंच चुका है, लेकिन अभी भी हमारी मंजिल बहुत दूर है। हालांकि, भारत दुनिया में सबसे बड़ा टीका उत्पादक देश है लेकिन संसाधनों का संकट हमारे सामने बड़ी बाधा बना हुआ है। इसके चलते मौजूदा संकट में केंद्र सरकार ने पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को बड़ी आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। हालांकि, अमेरिका व यूरोपीय देशों ने टीका बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगा रखी है, लेकिन उम्मीद है कि भारतीय कंपनियां कुछ वैकल्पिक रास्ते जरूर निकाल लेंगी। बहरहाल, इसी बीच केंद्र सरकार ने तीसरे चरण के टीकाकरण के लिये कार्यक्रम की घोषणा करते हुए अब अठारह साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को टीका लगाने की अनुमति दे दी है। निश्चित रूप से इससे देश की बड़ी जनसंख्या को टीकाकरण के दायरे में लाया जा सकेगा। भारत युवाओं का देश है और इस कर्मशील आबादी को टीका लगाना आर्थिक उन्नति की दृष्टि से हमारी प्राथमिकताओं में होना ही चाहिए। केंद्र सरकार ने टीकाकरण के एक मई से शुरू होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा घोषित कर दी है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक में सोमवार को फैसला लिया गया कि तीसरे चरण के वैक्सीनेशन कार्यक्रम में अब तेजी लायी जा सकेगी। इसका दायरा बढ़ाया गया है क्योंकि अब तक 45 साल से ऊपर उम्र वालों को ही वैक्सीन दी जा रही थी।

दरअसल, जहां 16 जनवरी से शुरू हुए पहले टीकाकरण अभियान में केवल हेल्थ वर्कर्स एवं अग्रिम मोर्चे के जांबाजों को वैक्सीन दी गई थी, वहीं एक मार्च से शुरू हुए दूसरे चरण में 45 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिये टीकाकरण का प्रावधान किया गया था। देश में अब तक टीकाकरण कार्यक्रम भारत बायोटेक तथा सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित दो वैक्सीनों के जरिये चलाया जा रहा था। वहीं अब मई से हाल ही में आपातकालीन उपयोग के लिये रूस में निर्मित स्पुतनिक वैक्सीन को भी अनुमति दी गई है। इसके साथ ही हालिया बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि टीके की कीमत निर्धारण और इसका दायरा बढ़ाया जायेगा। सरकार के निर्णय के अनुसार वैक्सीन निर्माता कंपनियां अब अपने कुल उत्पादन का आधा भारत सरकार को उपलब्ध करायेंगी तथा शेष वैक्सीन राज्य सरकारों व खुले बाजार में आपूर्ति कर सकेंगी। सरकार आने वाले दिनों में खुले बाजार में बेची जाने वाली वैक्सीन की कीमत की घोषणा करेगी, ताकि निजी अस्पतालों में लोगों से मनमाने दाम न वसूले जा सकें। दरअसल, इसी कीमत पर राज्य सरकारें, प्राइवेट अस्पताल तथा अन्य संस्थान वैक्सीन की खरीद कर सकेंगे। सरकार का मकसद वैक्सीन की कीमत में पारदर्शिता कायम करना भी है। देश के युवा इस माध्यम से वैक्सीन लगवा सकेंगे। इसके अलावा लक्षित आयु वर्ग तथा स्वास्थ्य कर्मियों व फ्रंट लाइन वर्कर्स को मुफ्त में वैक्सीन दी जाती रहेगी। लेकिन भविष्य में भी टीकाकरण के लिये निर्धारित नियमों का पालन नेशनल वैक्सीनेशन कार्यक्रम के तरह पहले ही की तरह करना होगा। निस्संदेह, कोरोना संक्रमण की दूसरी घातक लहर में हम टीकाकरण के जरिये ही चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं। हाल के दिनों में कुछ राज्यों ने टीके की कमी की शिकायत की थी, कोशिश हो कि ऐसी कोई दिक्क त टीकाकरण अभियान में न आये।

खाद्य तेल से लेकर दूसरी जरूरी आवश्यक वस्तुएं 20 प्रतिशत तक हुईं महंगी, लॉकडाउन की अफवाहों के बीच बढ़ी जमाखोरी

नईदिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के बाद अफवाह का बाजार गर्म हो गया है। लॉकडाउन को लेकर अफवाह का असर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र पर सामान रूप से हुआ है। ग्रॉसरी शॉप चलाने वाले दुकानदारों का कहना है कि अफवाह से किराने की वस्तुओं की बिक्री में करीब 20 फीसदी का इजाफा हुआ है।लोगों में भय है कि आने वाले दिनों में जरूरी सामानों की किल्लत होने वाली है। इसीलिए वे आवश्यक वस्तुओं को अधिक मात्रा में खरीदकर स्टॉक कर रहे हैं। हालांकि, वास्तविक स्थिति ऐसी नहीं

है। एफएमसीजी कंपनी आईटीसी, पारले प्रोडक्ट्स, सीजी कॉर्प, मेरिको और इमामी ने कहा है कि पिछले साल लागू लॉकडाउन के अनुभव से जरूरी उत्पादों की आपूर्ति करने में पूरी तरह सक्षम हैं।

आईटीसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि सभी आपूर्ति चैनलों में उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए आईटीसी ने जरूरी कदम उठाए हैं। महामारी के दौरान कंपनी ने परिचालन जारी रखने के लिए मजबूत नीतियां तैयार की है। बाजार में किसी भी तरह की अड़चनों और उतार चढ़ाव से निपटने के लिए भी संगठनात्मक ढांचे को तैयार किया गया है। मेरिको के प्रवक्ता ने भी कहा कि कंपनी इस साल बेहतर तैयारी में है।देश के कुछ राज्यों ने ही आंशिक लॉकडाउन लगाया है लेकिन आवश्यक वुस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं।

उपभोक्ताओं का कहना है कि कोरोना के कारण सब्जी, व दूध वाले से लेकर किराना वाले तक मनमर्जी के भाव ले रहे हैं। वहीं, कारोबारियों का कहना है केंद्र सरकार ने राज्यों से खाद्य पदार्थों तथा दवा समेत जरूरी वस्तुओं की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को निर्देश दिया है। इसके अलावा, राज्यों से जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया है जिससे जरूरी जिंसों की खरीदारी लोग घबराकर नहीं करे।

पारले ने मिलाया आईबीएम से हाथ, बिस्कुट को बाजार में सही समय पर पहुंचाने में मदद करेगी एआई

नईदिल्ली । रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाले कंपनी पारले प्राडक्टस और आईटी क्षेत्र की कंपनी आईबीएम ने एक दूसरे के साथ भागीदारी की घोषणा की। भागीदारी के तहत आईबीएम बिस्कुट बनाने वाले पारले को उसके उत्पादों को बाजार में जल्दी और प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी समर्थन देगी। दोनों कंपनियों की ओर से जारी संयुकत वक्तव्य में यह जानकारी दी गई है।

इसमें कहा गया है कि पारले प्राडक्टस अग्रणी सुरक्षा और उद्योग विशेषज्ञता के साथ आईबीएम की बदलावकारी आधुनिक क्लाउड और कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता का लाभ उठाएगी। इसमें उसे प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी की व्यवसायिक सलाह और प्रौद्योगिकी सेवाओं का भी लाभ मिलेगा। वक्तव्य में कहा गया है कि इस भागीदारी से पारले को अपने पारले- जी बिस्कुट जैसे सबसे ज्यादा बिक्री वाले उत्पादों को बाजार में सही समय और सही जगह पर पहुंचाने में मदद मिलेगी।

पारले प्राडक्टस के कार्यकारी निदेशक अजय चौहान ने इस भागीदारी पर कहा, हमारी प्राथमिकता भारतीय उपभोक्ता की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

कोरोना काल में क्रेडिट कार्ड की मांग घटी

नईदिल्ली । बीते कुछ सालों में क्रेडिट कार्ड की मांग और इस्तेमाल तेजी से बढ़ा था लेकिन कोरोना महामारी ने अब इस पर ब्रेक लगा दिया है। कोरोना महामारी के कारण घटी आय और बढ़ी महंगाई ने लोगों को खर्चे कम करने पर मजबूर किया है। इसका असर क्रेडिट कार्ड की मांग भी हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, नए क्रेडिट कार्ड जारी किए जाने की तुलना बीते एक साल में करने पर इसमें 47 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि तिमाही आधार पर 22 प्रतिशत की गिरावट रही है। इस समय देश में कुल क्रेडिट कार्ड बेस 6.16 करोड़ है। इस गिरावट के दौर में भी

आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे ज्यादा क्रेडिट कार्ड जारी किए हैं।

डिजिटल पेमेंट्स ट्रैकर रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी में आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे ज्यादा क्रेडिट कार्ड जारी किए। इसका मार्केट शेयर 36.1 प्रतिशत रहा है, जबकि दूसरे नंबर पर एसबीआई रहा। इसा मार्केट शेयर 18.1 प्रतिशत था। वहीं एक्सिस बैंक तीसरे स्थान पर रहा। वित्त वर्ष 2021 में क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में भी आईसीआईसीआई बैंक ने बाजी मारी।कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से दोबारा भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होती नजर आ रही है। इसका असर क्रेडिट कार्ड मार्केट पर भी पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कोविड के केसों में बढ़ोतरी और विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन से क्रेडिट कार्ड मार्केट की रिकवरी धीमी हो सकती है।

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना महामारी से लोगों का विश्वास डगमगा गया है। लोग अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित हो गए हैं। इसके चलते वह खर्च बहुत ही सोच समझ कर कर रहे हैं। कोरोना का असर क्रेडिट कार्ड से खरीदारी पर कितना व्यापक हुआ है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सालाना आधार पर क्रेडिट कार्ड से खर्च में 18.4 फीसदी की गिरावट आई है।

टाटा स्टील ने भुगतान नहीं करने को लेकर लिबर्टी स्टील को कोर्ट में घसीटा

नईदिल्ली । भारत की प्रमुख इस्पात कंपनी टाटा स्टील ने ब्रिटेन में ब्रिटिश भारतीय संजीव गुप्ता की अगुवाई वाले जीएफजी एलायंस के खिलाफ वाणिज्यिक अदालत में मामला दर्ज किया है। कंपनी ने लिबर्टी स्टील नाम से कंपनी का संचालन करने वाली जीएफजी एलायंस पर 2017 में अधिग्रहण से जुड़े मामले में भुगतान से चूक करने का आरोप लगाया है। लिबर्टी स्टील ने टाटा की विशेष प्रकार के इस्पात बनाने वाले कारोबार का अधिग्रहण किया था। इस कारोबार में योर्कशायर, लैंकाशायर और वेस्ट मिडलैंड्स में 1,700 कर्मचारी काम करते थे। टाटा स्टील ने करीब 10 करोड़ डॉलर के सौदे के मई 2017 में पूरा होने की घोषणा की थी।

रिपोर्ट के अनुसार अब यह बात सामने आयी है कि इस सौदे में भुगतान नहीं किया गया। इसको देखते हुए टाटा ने लिबर्टी स्पेशलिटी स्टील, लिबर्टी हाउस ग्रुप पीटीई और स्पेशलिटी स्टील यूके (सभी जीएफजी एलायंस से संबद्ध) के खिलाफ अदालती कार्यवाही शुरू की है।

जीएफजी एलायंस ने मुकदमे के बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। एलायंस को हमेशा समर्थन देने वाली ग्रीनसील कैपिटल के धाराशायी होने के बाद से वह काफी दबाव में है। हालांकि उसने कर्ज को लेकर जारी प्रयासों के बारे में जानकारी दी। जीएफजी एलायंस के प्रवक्ता ने कहा, हमारे ज्यादातर बड़े कारोबार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कोविड-19 के कारण हमारे कुछ कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

एप्पल ने सैमसंग को पीछे खिसकाते हुए भारतीय टैबलेट बाजार में पकड़ मजबूत की

नईदिल्ली । महामारी के दौरान दूरस्थ तरीके से घर से काम (वर्क फॉम होम) के बढ़े चलन, सीखने और मजेदार गतिविधियों में वृद्धि के साथ एप्पल ने 2021 में जनवरी से मार्च की पहली तिमाही में भारतीय टैबलेट बाजार में 29 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ सैमसंग को दूसरे स्थान पर खिसका दिया है। एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

मार्केट रिसर्च फर्म साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की पहली तिमाही में एप्पल आईपैड्स ने भारत में 140 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि के साथ असाधारण प्रदर्शन जारी रखा।

पहली तिमाही में एप्पल आईपैड 8 ने 17 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि एप्पल आईपैड एयर 2020 की भारतीय बाजार में 9 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई।

वहीं लेनोवो ने 2021 की पहली तिमाही में भारतीय टैबलेट बाजार का नेतृत्व करना जारी रखा।

सीएमआर में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, सब कुछ घर से काम करने के चलन के मद्देनजर एप्पल के लिए

2021 की पहली तिमाही में आईपैड शिपमेंट में साल-दर-साल एक अभूतपूर्व 144 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक ब्रेकआउट तिमाही रही। एप्पल की सफलता उल्लेखनीय है, क्योंकि इसमें कॉस्ट-एडवांटेज की कमी है, जो कि एंड्रॉएड टैबलेट में है।

राम ने कहा कि 2021 की पहली तिमाही में एप्पल की सफलता मुख्य रूप से आकांक्षात्मक अपील से प्रेरित रही, जो ब्रांड उपभोक्ताओं के बीच कायम है। इसके अलावा उन्होंने एड-टेक क्षेत्र में इसके प्रदर्शन को भी इसका एक मुख्य कारण बताया। एप्पल 2020 की दूसरी छमाही से अपने मजबूत विकास की गति को नए साल में भी जारी रखने में सक्षम रहा है। एप्पल आईपैड की वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) देश में 2020 में 42 प्रतिशत रही थी, जबकि पिछले साल की चौथी तिमाही में यह इसने वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर 135 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।

आज का राशिफल

मेषः उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा।

वृषभः चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुनः विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्कः डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंहः योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

कन्याः कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुलाः बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है।

वृश्चिकः स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनुः स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकरः रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कुंभः विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीनः मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा।

लॉकडाउन का मतलब समर्पण नहीं- करीना कपूर खान

देश में महाराष्ट्र में कोरोना की सबसे बुरी मार देखने को मिल रही है। वहीं लॉकडाउन लगा दिया गया है। जिसके बाद अभिनेत्री करीना कपूर खान ने सुझाव दिया है कि लॉकडाउन के माध्यम से रहने का मतलब यह नहीं है कि आपको अपना रोजाना का कसरत छोड़ना होगा। करीना ने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को राज्य में कोरोना की स्थिति के कारण लॉकडाउन के बीच वर्कआउट जारी रखने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी स्मार्टवॉच की एक तस्वीर साझा की, जिसमें दिखाया गया है कि वह सुबह से 5605 कदम यानी 5.11 किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी है। करीना ने फोटो को कैप्शन देते हुए लिखा, लॉकडाउन का मतलब छोड़ देना नहीं है। अभिनेत्री का ट्वीट उस समय आया है जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शहर में लॉकडाउन लगा दिया है, जो 14 अप्रैल से 30 अप्रैल तक रात 8 बजे से शुरू होता है। यह इसलिए लगाया गया है कि कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर की चेन को तोड़ सके। काम के मोर्चे पर, करीना के साथ फिल्म निर्माता करण जौहर, अभिनेता प्रतीक गांधी, अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा, डिस्कवरी प्लस पर स्टार बनाम फूड नामक एक नए लॉन्च शो में पाक कौशल का प्रदर्शन करेंगे। करीना अगली फिल्म बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के साथ लाल सिंह चड्ढा में दिखाई देंगी। अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित 1994 की हॉलीवुड हिट फॉरेस्ट गम्प में टॉम हैंक्स द्वारा अभिनीत एक आधिकारिक रूपांतरण है, और इस साल के अंत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सलमान खान की फिल्म 'राधे' का ट्रेलर रिलीज

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म राधे का ट्रेलर रिलीज हो गया है. अनाउंसमेंट के बाद से ही ये फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है. राधे के ट्रेलर में सलमान जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं. 2 मिनट 51 सेकेंड के इस ट्रेलर में सलमान और रणदीप की टक्कर काफी दिलचस्प है. सोशल मीडिया पर भी राधे बनकर सलमान छाए हुए हैं. सलमान खान की फिल्मों का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. राधे में एक बार फिर सलमान उसी अंदाज में हैं, जिस

पर उनके फैन्स दिल हार जाते हैं. फिल्म के ट्रेलर में भाईजान का एक्शन है, स्वैग है और वही सबको भाने वाला अंदाज है. सलमान खान ने कमिटमेंट किया था कि फिल्म ईद 2021 पर रिलीज होगी और वह अपना वादा पूरा भी करने वाले हैं. 'राधे- योर मोस्ट वॉन्टेड भाई' 13 मई 2021 को थिएटर से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर एकसाथ रिलीज होने वाली हैं.

बनाएं अंकुरित मूंग और हरे प्याज की टिक्की

शाम की छोटी-मोटी भूख को शांत करना है लेकिन कुछ अनहेल्दी भी नहीं खाना चाहते तो ऐसे में अंकुरित मूंग दाल और प्याज से बना सकते है जायकेदानर स्नैक्स। जानें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

अंकुरित मूंग- डेढ़ कप (आधे उबले), हरा प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा), हरी मिर्च- 2 टीस्पून (बारीक कटी), लहसुन- 1 टीस्पून (बारीक कटा), ओट्स का आटा- 1/4 कप, नमक- स्वादानुसार, तेल- 1/4 टीस्पून, चाट मसाला- 1/2 टीस्पून

विधि :

अंकुरित मूंग को मिक्सर में डालकर दरदरा पीस लें। अब एक बाउल में अंकुरित मूंग का मिक्सचर डालें और इसमें बाकी सारी इंग्रेडिएंट्स डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिक्सचर को 12 बराबर भागों में बांट लें और हर भाग की गोल चपटी टिक्की बना लें। अब एक नॉन-स्टिक तवा गर्म करें और एक चौथाई टीस्पून तेल लेकर उस पर चारों ओर से लगा दें। फिर तवे पर टिक्कियां डालें और दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक सेंक लें। इसे पुदीने की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 58

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

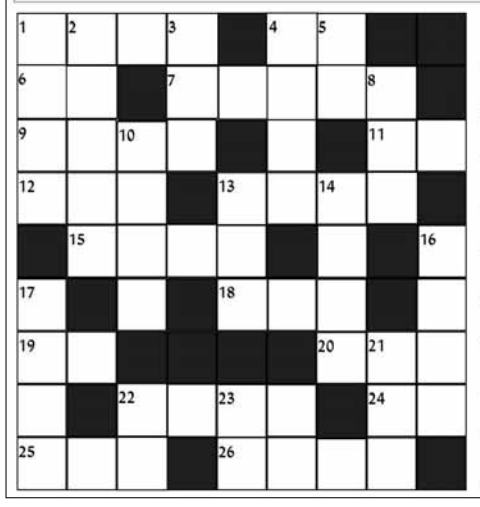

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 57 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 58

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.57 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6